

॥ श्रीः ॥  
चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला  
424  
—+—

# महानिर्वाणतन्त्रम्

साधनात्मकहिन्दीव्याख्यासंवलितम्

व्याख्याकारः  
स्वरूपावस्थितः  
कपिलदेवनारायणः



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन  
वाराणसी

# विषयानुक्रमणी

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
<b>प्रथम उल्लास</b>		ब्रह्म-मन्त्रोद्धार	21
जीवनिस्तारोपाय प्रश्न		ब्रह्ममन्त्र की प्रशंसा	22
कैलाश-वर्णन	1	मन्त्रार्थ-प्रतिपादन	24
उमा-शिव का वर्णन	2	मन्त्रचतन्य	25
प्रश्न करने की पार्वती जी का प्रार्थना	2	ब्रह्ममन्त्र का प्रकार	25
शिवाज्ञा और पार्वती के प्रश्न	3	न्यास-विधि	26
सत्ययुग के आचार	3	प्राणायाम	27
त्रेतायुग के लोकाचार	5	ब्रह्म का ध्यान	28
द्वापर युग के लोकाचार	6	मानस पूजन	28
कलियुग के लोकाचार	6	बाह्य पूजा और उपचार-संशोधन	29
तन्त्र-रचना	8	ब्रह्मस्तोत्र	30
कलियुग में पशुभाव और दिव्यभाव का निषेध	8	ब्रह्मकवच	32
कलियुग में मद्य-मांसादि-सेवन से दोष	9	प्रसाद का माहात्म्य	33
कलियुग में निस्तार-उद्धारोपाय	10	ब्रह्ममन्त्र-माहात्म्य	36
<b>द्वितीय उल्लास</b>		ब्रह्ममन्त्रकर्तव्य	36
जीवनिस्तारोपाय प्रश्नोत्तर		ब्रह्मसन्ध्योपासना	37
में ब्रह्मोपासना क्रम		ब्रह्मगायत्री	38
सदाशिव का उत्तर	12	ब्रह्मोपासना-माहात्म्य	39
कलियुग में लोक कर्तव्य	12	ब्रह्ममन्त्र-ग्रहण-विधि	41
महानिर्वाणतन्त्र की प्रशंसा	16	ब्रह्मदीक्षा का फल	42
ब्रह्मस्वरूप-प्रतिपादन	16	<b>चतुर्थ उल्लास</b>	
ब्रह्मोपासना की उपयोगिता	18	परा प्रकृति-साधन उपक्रम	
<b>तृतीय उल्लास</b>		शक्ति-उपासनाविषयक देवी का प्रश्न	45
ब्रह्मोपासना विधि		शक्ति का स्वरूप और नाम-रूपभेद	46
ब्रह्मोपासना-विधिविषयक प्रश्न	20	कलियुग में पशु और दिव्यभाव का निषेध	47
श्रीशिव के द्वारा परब्रह्म के लक्षण का प्रतिपादन	20	शक्ति का सृष्टि-कर्तव्य	48
		कौल-प्रशंसा	50

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
प्रबल कलियुग-लक्षण, अवस्था और स्थान	51	पूजन यन्त्र का अंकन	92
सत्यनिष्ठा की उपवेशनता	52	कलश-स्थापन कलश-लक्षण	93
आगम के अनुसार संस्कार	56	सुरा-शोधन	97
<b>पञ्चम उल्लास</b>		मांस-शोधन	98
मन्त्रोद्धार-कलशस्थापन-तत्त्वसंस्कार		मत्स्य-शोधन	11 / 3889
शक्तिसाधन-वर्णन	60	मुद्रा-शोधन	99
आद्या के मन्त्रों का उद्धार	61	पञ्चतत्त्व-शोधन	100
पूजा के समय पञ्च तत्त्वों, पञ्च मकारों की आवश्यकता	63	<b>षष्ठ उल्लास</b>	
गुरु-ध्यान और गुरु-पूजा	64	पात्र-स्थापन और चक्र-होमकरणादि	
इष्टदेवता का पूजन	65	सुराभेद	101
स्नानादि विधि	66	मांस के प्रकार	101
तान्त्रिकी सन्ध्या	67	मत्स्यभेद	102
देवी गायत्री	70	मुद्रा-प्रकार	102
देवी-पूजन-विधि	70	शक्तिभेद	103
विजया-शोधन ग्रहण	72	शक्ति-शोधन	103
भूतशुद्धि	74	श्रीपात्र-स्थापना-पूजन	104
ऋष्यादि न्यास-करन्यास अंगन्यास	76	गुरुपात्र भोग-पात्रादि का स्थापन	108
ऋषिन्यास	77	आनन्द-भैरवादि का तर्पण	109
करन्यास	77	बटुक-बलि	110
हृदयादिन्यास	77	योगिनी-बलि	110
अन्तर्मातृका वर्णन्यास	78	क्षेत्रपाल-बलि	111
बहिर्मातृका न्यास	78	गणेश-बलि	111
प्राणायाम	79	सर्व-भूत-बलि	111
ऋष्यादि न्यास	79	शिवा-बलि	111
कराङ्ग न्यास	80	सपुष्प ध्यान	112
पीठन्यास	81	भगवती का आवाहन	112
महाकाली का ध्यान	83	प्राणप्रतिष्ठा	113
मानसिक पूजन	84	सकलीकरण	114
अक्षमाला	86	षोडश उपचार	114
बाह्य पूजन विशेषार्घ्यस्थापन	90	उपचारदान और मन्त्र से पूजन	114
		षडङ्ग-पूजन	117
		प्रथम आवरण	117

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
द्वितीय आवरण : गुरुपूजन	118	वैश्य का कर्तव्य	166
तीसरा आवरण	118	शूद्र के कर्तव्य	167
चतुर्थ आवरण	119	भैरवीचक्र	168
पञ्चम एवं षष्ठ आवरण	119	तत्त्वचक्र	175
पशुबलि	120	ब्रह्मचक्र में जातिभेद त्याज्य	177
खड्ग-पूजन	121	अवधूताश्रम ही संन्यासाश्रम	177
शीर्ष बलि-प्रदान	122	संन्यास-ग्रहण-विधि	178
हवन	122	पित्रादि को पिण्डदान	179
जपानुष्ठान	130	अग्निस्थापन, प्राण-होम	180
आत्म-समर्पण	132	यज्ञोपवीत और शिखा-हवन	182
चक्रानुष्ठान	134	संन्यासी के कर्तव्य	184
पात्र-लक्षण	134	संन्यासियों के दाह का निषेध	185
मद्यपान की सीमा और विसर्जन	135		
		<b>नवम उल्लास</b>	
<b>सप्तम उल्लास</b>		<b>दस प्रकार के संस्कार</b>	
स्तोत्र कवच और कुलतत्त्व के		दस संस्कार	187
लक्षणों का वर्णन		चरु कर्म	196
कालिकाशतनाम स्तोत्र	136	गर्भाधान में ऋतुसंस्कार	197
शतनामस्तोत्र	137	गर्भाधान	201
फलश्रुति	140	पुंसवन	202
कालिका त्रैलोक्यविजय कवच	142	पञ्चामृत-पान	203
पुरस्करण-विधि	144	सीमन्तोन्नयन	204
कुल और कुलाचार के लक्षण	147	जातकर्म	205
		नाड़ी-छेदन	206
<b>अष्टम उल्लास</b>		नामकरण-अभिषेक	206
वर्णाश्रम-आचार-धर्मवर्णन		निष्क्रमण	207
वर्णाश्रम	150	अन्नप्राशन	208
आश्रमभेद	152	चूड़ाकरण-मुण्डन	209
गृहस्थाश्रम और कर्तव्य	152	उपनयन	211
नारी-कर्तव्य	162	गायत्री का उपदेश	215
ब्राह्मण-वृत्ति	163	गृहस्थाश्रम-धारण	217
क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र और सामान्य की		ब्राह्म विवाह-विधान	218
वृत्ति	164	शैवविवाह-विधि	223
ब्राह्मण-क्षत्रियों के कर्तव्य	164		



विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
<b>दशम उल्लास</b>		पापभेद से दण्डभेद	264
वृद्धिश्राद्ध पूर्णभिषेक आदि का वर्णन		विधवा के कर्तव्य	268
नित्यनैमित्तिक क्रियाविधि	226	मातृबान्धव-पितृबान्धव-निरूपण	268
वृद्धिश्राद्ध	227	भ्रूणहत्यादि पापों का प्रायश्चित्त	269
पार्वण श्राद्ध	236	चोरी आदि के पापों का प्रायश्चित्त	271
एकोद्दिष्ट श्राद्ध	237	साक्षी-निरूपण	272
प्रेतश्राद्ध	237	साक्ष्य में जाल करने का दण्ड	273
अर्शाच-निर्णय	238	शपथ के प्रकार	273
सहमरण का निषेध	238	पञ्चतत्त्व-सेवन का माहात्म्य	274
ब्रह्ममन्त्रोपासक की इच्छा के अनुसार		अवैध पान-अतिपान के दोष और	
दाहादि	239	दण्ड	275
अन्येष्टि क्रिया	239	अशोधित मांस-भक्षण दण्ड	276
श्राद्ध का अधिकार	240	अवैध अन्न-भक्षण का प्रायश्चित्त	277
तिल-काञ्चन दान	240	गोवध का प्रायश्चित्त	278
वृषोत्सर्ग	240	जीववध का प्रायश्चित्त	279
श्राद्धादि कार्य में कौलार्चन	241	माता-पिता की निन्दा, कौल की निन्दा	
कौल-माहात्म्य	241	का प्रायश्चित्त	279
पूर्णाभिषेक की विधि	243	अनेक पापों का प्रायश्चित्त	280
पूर्णाभिषेक के एक दिन पहले		मृत देह-दूषित गृहवापी-कृपादि का	
गणेशपूजन	243	शोधन	281
तिल-काञ्चन दान	248	अनेक पापों का प्रायश्चित्त	282
वसुधाग	248	<b>द्वादश उल्लास</b>	
गुरुवरण	249	सनातन व्यवहार का वर्णन	
कलश-स्थापन	250	धनाधिकार-निरूपण	284
कलश और पात्रस्थापन	251	पिण्डाधिकार-निरूपण	292
अभिषेक-मन्त्र	253	अर्शाच-व्यवस्था	292
गुरुपूजन	256	दत्तक पुत्र की विधि	293
कौल दीक्षा की प्रशंसा	258	स्व-उपार्जित धन का अधिकार	295
<b>एकादश उल्लास</b>		अनधिकारिता का निरूपण	297
पापों के प्रायश्चित्त का वर्णन		स्थावर सम्पत्ति बेचने का अधिकार	297
पापभेद का वर्णन	261	वापी-कृपादि में जलपान का	
पापी राजा का दण्ड	263	अधिकार	298
		विविध आचार	300

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
<b>त्रयोदश उल्लास</b>		<b>देवप्रतिष्ठा</b>	327
देवता-जलाशयादि-प्रतिष्ठा एवं		षोडशोपचार पूजन	329
वास्तुयाग विधि का वर्णन		दशोपचार पूजन	330
निराकार शक्ति के आकार की		पञ्चोपचार पूजन	330
कल्पना	301	उपचार-प्रदान मन्त्र	330
सकाम उपासना का फल	303	वाहन-दान और मन्त्र	336
देवालय-संस्कार और प्रतिष्ठा का		वृषभोत्सर्ग	336
फल	303	सिंह का दान	337
सेतु-निर्माण का फल	304	गरुड़ का दान	337
वृक्ष और उद्यानादि की प्रतिष्ठा का		महाकाली की प्रतिष्ठा	338
फल	305	<b>चतुर्दश उल्लास</b>	
जलाशय की प्रतिष्ठा का फल	305	शिवलिङ्ग-स्थापन चतुर्विध	
देववाहन-दान का फल	305	अवधूत विवरण	
देवालय में ध्वज-पताका दान का		अचल लिङ्गप्रतिष्ठा की विधि और	
फल	306	माहात्म्य	345
वस्त्रालंकार-दान का फल	307	अधिवास	348
वास्तुदेव की पूजाविधि	307	सदाशिव का ध्यान	349
वास्तु देवता का ध्यान	310	शिवबीजमन्त्र	350
नवग्रह-पूजन और मन्त्र	311	गौरीपट्ट का शोधन	350
ग्रहों का ध्यान	313	सर्वदेव बलि	351
दिक्पालों का ध्यान	314	शिवस्थापन	351
ब्रह्मा और अनन्त का ध्यान	315	अष्टमूर्ति-पूजन	355
वास्तु देवता और ग्रहों, दिक्पालों		प्रार्थना आदि	356
के मन्त्र	316	अकस्मात् पूजा रुक जाने पर	
अन्य देवताओं के मन्त्र आदि अन्य		कर्तव्य	357
विषय	317	कर्मफल	359
जलाशय आदि के प्रोक्षणमन्त्र	318	ज्ञान का माहात्म्य	359
वास्तुयाग क्रम	321	चार प्रकार के अवधूत	363
गणेश-ध्यान-पूजन	321	ॐ तत्सत् का माहात्म्य	365
जलाशय-संस्कार और उत्सर्ग	323	परमहंस के कर्तव्य	367
कूप-संस्कार	323	कौल-माहात्म्य	368
गृह-प्रतिष्ठा	326	महानिर्वाणतन्त्र का माहात्म्य	370